>

Title: Need to provide potable water to the people of Sanchore, Jalore District, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): जालौर जिले में नर्मदा नहर का मीठा पानी देने की एफ.आर. प्रोजेक्ट योजना ने प्रशासन की उदासीनता के चलते दम तोड़ दिया है।

राज्य सरकार और जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण प्रोजेक्ट को शुरू करते समय सांचोर के रणोदर तैतरोल जहां पर प्रोजेक्ट का निर्माण होना था उस जमीन का सैम्पल नहीं लिया गया और पाइप लाइन बिछाने सहित अन्य कार्यों में 262 करोड़ रूपये खर्च कर दिए लेकिन अब प्रोजेक्ट की जमीन पर कुछ मीटर की खुदाई में लवण पानी निकलने से कई महीनों से प्रोजेक्ट का निर्माण बंद है। पहले किसान की जमीन न देने के कारण और अब जमीन से लवणीय पानी निकलने से निर्माण कार्य बंद हो गया है।

नर्मदा नहर के एफ.आर. प्रोजेक्ट का निर्माण 310 करोड़ की लागत से होना था जिससे जिला मुख्यालय सहित 281 गांव व तीन ढाणियों को पानी देने की योजना थी, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। अधिकारियों की मिलीभगत के चलते कंपनी पर पैनल्टी लगाने की बजाय 262 करोड़ का भुगतान कर दिया है। दूसरी तरफ जिले भर के लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं और फ्लोराइड पानी पीने को मजबूर हैं।